एक्सआईएसएस में एकदिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन

रांची. नेटवर्क फॉर एंटरप्राइज इनहांसमेंट एंड डेवलपमेंट सपोर्ट (नीड्स) ने झारखंड में एक्सआईएसएस के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के सहयोग से परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन निदेशक डॉ. जोसफ मरियानुस कुजूर ने किया। नीड्स के कार्यकारी निदेशक मुरारी मोहन चौधरी ने भी संबोधित किया।

PRESS: DAINIK BHASKAR

Consultation workshop on project SWABHIMAN at XISS

PNS ■ RANCHI

Network for Enterprise Enhancement and Development Support (NEEDS) organized a One-day Consultation Workshop on project SWABHIMAN "Alliance for Dignity, Employment and Pride for Migrants in Jharkhand in collaboration with Rural Management Programme of Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, sponsored by European Union on Saturday. The program was organised in the friendly company of migrant workers and with representatives of numerous civil organisations operating in the state in XISS Campus.

Dr Joseph Marianus Kujur, Director, XISS, said, "The pandemic forced the migrant workers for reverse migration and XISS worked extensively for them by setting up shelter homes for them in several districts of the State in coordination with the district administration. During my interaction with these migrant workers, I felt that a sense of pride and self-esteem is missing amongst them which needs to be restored. Soft loans, preferences in opening Small or Medium scale Enterprises (SMEs), pension fund and contingency fund are areas which can be implemented to help them thoroughly."

Murari Mohan Choudhury, Executive Director, NEEDS, during his presentation on the project said, "Major migrant issues in Jharkhand, more than 90,000 people move from Deoghar to Howrah each year which has been identified as the top routine migration in eastern India and showed distress migrant issues in Jharkhand like 42 per cent migrant workers engagement in construction sector which is maximum. Then he further talked about the objective and strategy of the SWABHIMAN project, how we create a migration registered system at panchayat level; strengthen and convergence the PRD department, activities under the SWABHIMAN project which targeted outreach 1,00,000 in informal workers 10,000 returnee migrants, 1,000 employers, 100 CSOs, and also stressed over the KAMDHAM android app where all the workers will be registered by MRCs and Internet Sathis".

Dr Swati Jha, Program Director - Learning and Migration Program, American India Foundation, spoke on migration and their challenges. She talked about the mission and vision of AIF. A. K. Singh, Director, LEADS, during his speech stressed over State Government interventions for safe migration – Safe and Responsible Migration Initiative (SRMI) to safeguard the interests of migrant workers as state government figures.

In the first session of the workshop, the panelists shared their suggestions on 'Policy gaps in Jharkhand regarding safe migration and state support in case of emergency' and 'How the labour department and CSOs should collaborate for the benefit of migrant workers, who make up a significant portion of Jharkhand's labour force.'

In the second session the topic of discussion was 'Role of Government and other stakeholders to ensure collaborative approach to reduce distressed migration and create local livelihood opportunities.'

PRESS: PIONEER

एक्सआईएसएस में परियोजना स्वाभिमान पर एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : नेटवर्क फॉर एंटरप्राइज एन्हांसमेंट एंड डेवलपमेंट सपोर्ट (नीड्स) ने झारखंड में जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के सहयोग से झारखंड में प्रवासियों के लिए सम्मान, रोजगार और गौरव के लिए गठबंधन परियोजना पर एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। शनिवार को यूरोपीय संघ द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन प्रवासी श्रमिकों की मैत्रीपूर्ण मौजूदगी में और राज्य में संचालित कई नागरिक संगठनों और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों बीच एक्सआईएसएस कैंपस में किया गया था। कार्यशाला का उद्घाटन एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजुर एसजे के भाषण से हुआ जहाँ उन्होंने इस पहल की सराहना की और सभी आयोजको को बधाई देते हुए कहा, हह्लमहामारी ने प्रवासी श्रमिकों को रिवर्स माइग्रेशन के लिए मजबूर किया और एक्सआईएसएस ने जिला प्रशासन के समन्वय में राज्य के कई जिलों में उनके लिए आश्रय गृह स्थापित करके उनके लिए बड़े पैमाने पर काम किया था। इन प्रवासी कामगारों के साथ अपनी बातचीत के दौरान, मुझे दिखा कि उनमें गर्व और आत्मसम्मान की भावना गायब है जिसे बहाल करने की तत्काल आवश्यकता है। और, इस प्रकार, मुझे लगता है कि आज की कार्यशाला इस प्रवासन के संकट को हल करने के तरीकों और उन क्षेत्रों पर प्रकाश डालेगी।

PRESS: FREEDOM FIGHTER

प्रवासी मजदूरों की समस्या को लेकर XISS में कार्यशाला

by **Lagatar News** — 25/06/2022

XISS में कार्यशाला

Ranchi: प्रवासी मजदूरों की समस्या और रोजगार को लेकर शनिवार को XISS में कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में नागरिक संगठन और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि शामिल हुये. कार्यशाला का उद्घाटन एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर ने किया.

PRESS: LAGATAR 24

झारखंड में प्रवासी मजदूरों की समस्या एक गंभीर मामला है : डॉ जोसफ

एक्सआईएसएस में प्रवासी मजदूरों की समस्या को लेकर कार्यशाला आयोजित

GANDIV REPORTER

रांची। प्रवासी मजदूरों की समस्या और रोजगार को लेकर एक्सआईएसएस में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नागरिक संगठन और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला का उद्घाटन एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर ने किया। नीड्स के कार्यकारी निदेशक मुरारी मोहन चौधरी ने कहा कि झारखंड में प्रवासी मजदूरों की समस्या एक गंभीर समस्या है। 90,000 से अधिक लोग हर साल देवघर से हावड़ा जाते हैं। जिसे पूर्वी भारत में शीर्ष नियमित प्रवास के रूप में पहचाना गया है और झारखंड में संकटपूर्ण प्रवासी मुद्दों को दिखाया गया है। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि महामारी ने प्रवासी श्रमिकों को रिवर्स माइग्रेशन के लिए मजबूर किया। वहीं एक्सआईएसएस ने जिला प्रशासन के सहयोग से राज्य के कई जिलों में उनके लिए आश्रय गृह स्थापित करके उनके लिए बड़े पैमाने पर काम किया था। उन्होंने आगे बताया कि गर्व और आत्मसम्मान की भावना गायब है, जिसे बहाल करने की तत्काल आवश्यकता है।

PRESS: BIRSA KA GANDIV

एक्सआईएसएस में परियोजना स्वाभिमान पर एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन

June 25, 2022 Admin: Sandeep Pathak

रांची। नेटवर्क फॉरएंटरप्राइजएन्हांसमेंट एंड डेवलपमेंटसपोर्ट (नीड्स) ने झारखंड में ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के सहयोग से झारखंड में प्रवासियों के लिए सम्मान, रोजगार और गौरव के लिए गठबंधन परियोजना पर एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। शनिवार को यूरोपीय संघ द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन प्रवासी श्रमिकों की मैत्रीपूर्ण मौजूदगी में और राज्य में संचालित कई नागरिक संगठनों और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों बीच एक्सआईएसएसकैंपस में किया गया था।

PRESS: AVN POST

एक्सआईएसएस में परियोजना स्वाभिमान पर कार्यशाला का आयोजन

राँची

June 25, 2022 Social News Search

Leave A Comment

रांची : नेटवर्क फॉर एंटरप्राइज एन्हांसमेंट एंड डेवलपमेंट सपोर्ट (नीड्स) ने झारखंड में ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के सहयोग से झारखंड में प्रवासियों के लिए सम्मान, रोजगार और गौरव के लिए गठबंधन परियोजना पर एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया.

शनिवार को यूरोपीय संघ द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन प्रवासी श्रमिकों की मैत्रीपूर्ण मौजूदगी में और राज्य में संचालित कई नागरिक संगठनों और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों बीच एक्सआईएसएस कैंपस में किया गया था.

PRESS: SOCIAL NEWS SEARCH

एक्सआईएसएस में एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन

महामारी ने प्रवासी श्रमिकों को रिवर्स माइग्रेशन के लिए मजबूर किया : डॉ. जोसफ मरियानुस कुजुर एसजे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नेटवर्क फॉर एंटरप्राइज एन्हांसमेंट एंड डेवलपमेंट सपोर्ट (नीड्स) ने झारखंड में जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के सहयोग से झारखंड में प्रवासियों के लिए सम्मान, रोजगार और गौरव के लिए गठबंधन परियोजना पर एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। शनिवार को यूरोपीय संघ द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन प्रवासी श्रमिकों की मैत्रीपूर्ण मौजूदगी में और राज्य में संचालित कई नागरिक संगठनों और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों बीच एक्सआईएसएस

कैंपस में किया गया था। कार्यशाला का उद्घाटन एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मरियानुस कुजुर एसजे के भाषण से हुआ, जहाँ उन्होंने इस पहल की सराहना की और सभी आयोजकों को बधाई देते हुए कहा, महामारी ने प्रवासी श्रमिकों को रिवर्स माइग्रेशन के लिए मजबूर किया और एक्सआईएसएस ने जिला प्रशासन के समन्वय में राज्य के कई जिलों में उनके लिए आश्रय गृह स्थापित करके उनके लिए बड़े पैमाने पर काम किया था। इन प्रवासी कामगारों के साथ अपनी बातचीत के दौरान, मुझे दिखा कि उनमें गर्व और आत्मसम्मान की भावना गायब है जिसे बहाल करने की तत्काल आवश्यकता है और इस प्रकार, मुझे लगता है कि आज की कार्यशाला इस प्रवासन के संकट को हल करने के तरीकों और उन क्षेत्रों पर प्रकाश डालेगी जहां नागरिक संगठन और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर सकते हैं। प्रवासी श्रमिकों को उनकी नई परिवेश में फिर से कैसे स्थापित किया जाए। सॉफ्ट लोन, लघु या मध्यम स्तर के उद्यम (एसएमई), पेंशन फंड और आकस्मिक निधि इस क्षेत्र की प्राथमिकताएं हो सकती हैं।

राष्ट्रीय नवीन मेल
Sun, 26 June 2022
rashtriyanaveenmail.epapr.in/c/68831723

PRESS: RASHTRIYA NAVEEN MAIL